अब सम्पन्न वा कर्मातीत बनने की धुन लगाओ
Now have the deep concern to become complete and karmateet

Dec 1, 2025
कर्मातीत भव
निराकारी स्वरूप की मुख्य शिक्षा का वरदान है "कर्मातीत भव"। आकारी स्वरूप अथवा फरिश्तेपन का वरदान है डबल-लाइट भव! डबल लाइट अर्थात् सर्व कर्म-बन्धनों से हल्के और लाइट अर्थात् सदा प्रकाश-स्वरूप में स्थित रहने वाले। ऐसे डबल लाइट रहने वाले सहज कर्मातीत स्थिति को प्राप्त कर सकते हैं। तो सेवाओं में आते अभी यह धुन लगाओ कि मुझे सम्पन्न वा कर्मातीत बनना ही है।

May you be karmateet
The blessing of the main teachings of the incorporeal form is "May you be karmateet!" The blessing of the subtle form, that is, the angelic form is "May you be double light!" "Double light" means to be light in all bondages of karma and light means to remain constantly stable in the form of light. Those who remain double light in this way can easily attain the karmateet stage. So, while engaging yourself in doing service, now have this deep concern, "I have to become complete and karmateet."

Dec 2, 2025
कर्मयोगी स्थिति - अति प्यारी और न्यारी स्थिति
कर्मातीत का अर्थ यह नहीं है कि कर्म से अतीत हो जाओ। कर्म से न्यारे नहीं, कर्म के बन्धन में फँसने से न्यारे इसको कहते हैं कर्मातीत। कर्मयोग की स्थिति कर्मातीत स्थिति का अनुभव कराती है। यह कर्मयोगी स्थिति अति प्यारी और न्यारी स्थिति है, इससे कोई कितना भी बड़ा कार्य मेहनत का हो लेकिन ऐसे लगेगा जैसे काम नहीं कर रहे हैं लेकिन खेल कर रहे हैं।

A karma yogi stage - extremely loving and detached
Karmateet does not mean that you go beyond karma. Do not become detached from karma, but be detached from being trapped by any bondage of karma. This is known as being karmateet. The stage of karma yoga enables you to experience the karmateet stage. A karma yogi is extremely loving and detached. With this stage, no matter how big a task may be or how much effort it make take, it will feel as though you are not doing any work, but that you are just playing a game.

Dec 3, 2025
हद के मेरे-मेरे से मुक्त
कर्मातीत का अर्थ ही है - सर्व प्रकार के हद के स्वभाव-संस्कार से अतीत अर्थात् न्यारा। हद है बन्धन, बेहद है निर्बन्धन। ब्रह्मा बाप समान अब हद के मेरे-मेरे से मुक्त होने का अर्थात् कर्मातीत होने का अव्यक्ति दिवस मनाओ, इसी को ही स्नेह का सबूत कहा जाता है।

Free from any limited consciousness of “mine”
Karmateet means to be beyond, that is, to be detached from all types of limited natures and sanskars. Anything limited is a bondage and anything unlimited is being free from bondage. Now, celebrate the avyakt day of being free from any limited consciousness of “mine”, the same as Father Brahma. This is known as the proof of love.

Dec 4, 2025
सदा साक्षी
कर्मातीत स्थिति को प्राप्त करने के लिए सदा साक्षी बन कार्य करो। साक्षी अर्थात् सदा न्यारी और प्यारी स्थिति में रह कर्म करने वाली अलौकिक आत्मा हूँ, अलौकिक अनुभूति करने वाली, अलौकिक जीवन, श्रेष्ठ जीवन वाली आत्मा हूँ - यह नशा रहे। कर्म करते यही अभ्यास बढ़ाते रहो तो कर्मातीत स्थिति को प्राप्त कर लेंगे।

Constantly detached observer
In order to attain the karmateet stage, constantly perform actions as a detached observer. I am an alokik soul, who constantly stays in the stage of a detached observer, that is, in the stage of being constantly detached and loving while doing everything. I am a soul who has the alokik experience, an alokik life and an elevated life. Constantly have this intoxication. While performing actions, continue to increase this practice and you will attain the karmateet stage.

Dec 5, 2025
न्यारे और अति प्यारे
कर्मातीत बनने के लिए अशरीरी बनने का अभ्यास बढ़ाओ। शरीर का बंधन, कर्म का बंधन, व्यक्तियों का बंधन, वैभवों का बंधन, स्वभाव-संस्कारों का बंधन... कोई भी बंधन अपने तरफ आकर्षित न करे। यह बंधन ही आत्मा को टाइट कर देता है, इसके लिए सदा निर्लिप्त अर्थात् न्यारे और अति प्यारे बनने का अभ्यास करो।

Detached and loving
In order to become karmateet, increase the practice of being bodiless. The bondage of the body, the bondage of people, the bondage of material comforts, the bondage of nature and sanskars – let none of those bondages attract you. It is those bondages that are tight on the soul. For this, constantly practise being immune, that is, detached and loving.

Dec 6, 2025
बन्धन-मुक्त
कर्मातीत बनने के लिए कर्मों के हिसाब-किताब से मुक्त बनो। सेवा में भी सेवा के बंधन में बंधने वाले सेवाधारी नहीं। बन्धन-मुक्त बन सेवा करो अर्थात् हद की रॉयल इच्छाओं से मुक्त बनो। जैसे देह का बन्धन, देह के सम्बन्ध का बन्धन, ऐसे सेवा में स्वार्थ - यह भी बन्धन कर्मातीत बनने में विघ्न डालता है। कर्मातीत बनना अर्थात् इस रॉयल हिसाब-किताब से भी मुक्त।

Free from bondage
In order to become karmateet, become free from any accounts of karma. In doing service, too, do not be a server who is tied in any bondage of service. Serve while being free from bondage, that is, be free from limited, royal desires. There are bondages of the body and bondages of the relations of the body. Similarly, selfishness in the service you do is also a bondage, which

creates obstacles to you becoming karmateet. To be karmateet means to be free from these royal karmic accounts.

Dec 7, 2025
सार की स्थिति का अभ्यास
बहुतकाल अचल-अडोल, निर्विघ्न, निर्बन्धन, निर्विकल्प, निर-विकर्म अर्थात् निराकारी, निर्विकारी और निरंहकारी स्थिति में रहो तब कर्मातीत बन सकेंगे। सेवा का विस्तार भल कितना भी बढ़ाओ लेकिन विस्तार में जाते सार की स्थिति का अभ्यास कम न हो, विस्तार में सार भूल न जाये। खाओ-पियो, सेवा करो लेकिन न्यारेपन को नहीं भूलो।

Staying in the stage of the essence
Remain unshakeable, immovable, free from obstacles, free from bondages and free from sinful thoughts and sinful actions. This means: be incorporeal, viceless and egoless over a long period of time, for only then will you able to become karmateet. No matter how much you expand service, while going into expansion, do not allow your staying in the stage of the essence to reduce. Do not forget the essence in the expansion. Eat, drink, do service, but do not forget to be detached.

Dec 8, 2025

फालो फादर

कर्मातीत स्थिति का अनुभव करने के लिए ज्ञान सुनने सुनाने के साथ अब ब्रह्मा बाप समान न्यारे अशरीरी बनने के अभ्यास पर विशेष अटेन्शन दो। जैसे ब्रह्मा बाप ने साकार जीवन में कर्मातीत होने के पहले न्यारे और प्यारे रहने के अभ्यास का प्रत्यक्ष अनुभव कराया। सेवा को वा कोई कर्म को छोड़ा नहीं लेकिन न्यारे हो लास्ट दिन भी बच्चों की सेवा समाप्त की, ऐसे फालो फादर करो।

Follow the father

In order to experience the karmateet stage, together with listening to this knowledge and relating it, now pay special attention to becoming detached and bodiless, the same as Father Brahma. Father Brahma gave the practical experience of remaining detached and loving in corporeal life, before becoming karmateet. He did not stop doing service or performing any other actions, but became detached and, till the last day, continued to serve the children. Follow the father in the same way.

Dec 9, 2025

न्यारापन

कर्मातीत अर्थात् कर्म के किसी भी बंधन के स्पर्श से न्यारे। ऐसा ही अनुभव बढ़ता रहे। कोई भी कार्य स्पर्श न करे और करने के बाद जो रिजल्ट निकलती है उसका भी स्पर्श न हो, बिल्कुल ही न्यारापन अनुभव होता रहे। जैसेकि दूसरे कोई ने कराया और मैंने किया। निमित्त बनने में भी न्यारापन अनुभव हो। जो कुछ बीता, फुलस्टाप लगाकर न्यारे बन जाओ।

Experience being detached

To be karmateet means to be detached from and not even touched by any bondage of karma. Increase your experience in this. No action should touch you, so do not let yourself be touched by even the result of any task you have performed. Continue to experience complete detachment. It is as though someone else inspired you to do it and you just did it. Experience being detached even when you are an instrument for something. Whatever happened, put a full stop to it and become detached.

Dec 10, 2025

हल्कापन

कर्म करते तन का भी हल्कापन, मन की स्थिति में भी हल्कापन। कर्म की रिजल्ट मन को खींच न ले। जितना ही कार्य बढ़ता जाये उतना ही हल्कापन भी बढ़ता जाये। कर्म अपनी तरफ आकर्षित नहीं करे लेकिन मालिक होकर कर्म कराने वाला करा रहा है और करने वाले निमित्त बनकर कर रहे हैं - यह अभ्यास बढ़ाओ तो सम्पन्न कर्मातीत सहज ही बन जायेंगे।

Lightness

While doing anything have lightness in your body and lightness in your state of mind. Don't let your mind be pulled by the result of any action. However much the task continues to increase, increase the lightness accordingly. Do not let any action pull you, but be a master, knowing that the one who is inspiring you is making it happen and the one who is carrying out the action is doing that as an instrument. Increase this practice and you will easily become complete and karmateet.

Dec 11, 2025

कर्मों के बन्धन से न्यारे

कर्मातीत बनने के लिए चेक करो कहाँ तक कर्मों के बन्धन से न्यारे बने हैं? लौकिक और अलौकिक, कर्म और सम्बन्ध दोनों में स्वार्थ भाव से मुक्त कहाँ तक बने हैं? जब कर्मों के हिसाब-किताब वा किसी भी व्यर्थ स्वभाव-संस्कार के वश होने से मुक्त बनेंगे तब कर्मातीत स्थिति को प्राप्त कर सकेंगे। कोई भी सेवा, संगठन, प्रकृति की परिस्थिति स्वस्थिति वा श्रेष्ठ स्थिति को डगमग न करे। इस बंधन से भी मुक्त रहना ही कर्मातीत स्थिति की समीपता है।

Detached from any bondage of your actions

In order to become karmateet, check to what extent you have become detached from any bondage of your actions. To what extent have you become free from selfish motives in regard to

your lokik and alokik and in actions and relationships? When you become free from any influence of karmic accounts and any wasteful nature or sanskars, you will then become able to attain the karmateet stage. No type of service, gathering or adverse situation should make you fluctuate in your original, elevated stage. To be free from even this bondage is to become close to the karmateet stage.

Dec 12, 2025

कर्म सम्बन्ध

कर्मातीत अर्थात् कर्म के वश होने वाला नहीं लेकिन मालिक बन, अथॉरिटी बन कर्मेन्द्रियों के सम्बन्ध में आये, विनाशी कामना से न्यारा हो कर्मेन्द्रियों द्वारा कर्म कराये। आत्मा मालिक को कर्म अपने अधीन न करे लेकिन अधिकारी बन कर्म कराता रहे। कराने वाला बन कर्म कराना - इसको कहेंगे कर्म के सम्बन्ध में आना। कर्मातीत आत्मा सम्बन्ध में आती है, बन्धन में नहीं।

Relationship of karma

Karmateet means not to be influenced by karma, to be the master, the authority, and have relationships with your physical senses. Be detached from limited desires and act using your physical senses. Actions should not make the soul, the master, dependent, but the soul should be one with all rights who has actions performed. To be the one who inspires and inspires actions to be performed is known as having the relationship of karma. A karmateet soul has a relationship, not any bondage.

Dec 13, 2025

कर्मयोगी बन कर्मभोग चुक्तू करना

पिछले कर्मों के हिसाब-किताब के फलस्वरूप तन का रोग हो, मन के संस्कार अन्य आत्माओं के संस्कारों से टक्कर भी खाते हों लेकिन कर्मातीत, कर्मभोग के वश न होकर मालिक बन हिसाब चुक्तू करावे। कर्मयोगी बन कर्मभोग चुक्तू करना यह है कर्मातीत स्थिति की निशानी। प्रैक्टिस करो अभी अभी कर्मयोगी, अभी-अभी कर्मातीत स्टेज।

Settle the suffering of karma by being a karma yogi

Now have the deep concern to become complete and karmateet. As a result of the karmic account of your past actions, you can have an illness of the body, or some conflict of sanskars with the sanskars of others. To become karmateet, do not be influenced by the suffering of karma, but settle your accounts as a master. To settle the suffering of karma by being a karma yogi is a sign of becoming karmateet. Practise being a karma yogi one moment and having the karmateet stage the next.

Dec 14, 2025

समेटने की शक्ति

जैसे आपकी रचना कछुआ सेकेण्ड में सब अंग समेट लेता है। समेटने की शक्ति रचना में भी है। आप मास्टर रचता समेटने की शक्ति के आधार से सेकेण्ड में सर्व संकल्पों को समाकर एक संकल्प में स्थित हो जाओ। जब सर्व कर्मेन्द्रियों के कर्म की स्मृति से परे एक ही आत्मिक स्वरूप में स्थित हो जायेंगे तब कर्मातीत अवस्था का अनुभव होगा।

The power to pack up

Your creation, the tortoise, is able to merge (pack up) all its organs in a second. Even the creation has the power to pack up. On the basis of the power to pack up, you master creators can stop all thoughts in a second and become stable in one thought in a second. When you stabilise yourself in the soul-conscious form, beyond any awareness of the actions of all your physical organs, you will then experience the karmateet stage.

Dec 15, 2025

कर्म-अधिकारी स्टेज।

जैसे देखना, सुनना, सुनाना - ये विशेष कर्म सहज अभ्यास में आ गया है, ऐसे ही कर्मातीत बनने की स्टेज अर्थात् कर्म को समेटने की शक्ति से अकर्मी अर्थात् कर्मातीत बन जाओ। एक है कर्म-अधीन स्टेज, दूसरी है कर्मातीत अर्थात् कर्म-अधिकारी स्टेज। तो चेक करो मुझ कर्मेन्द्रिय-जीत, स्वराज्यधारी राजाओं की राज्य कारोबार ठीक चल रही है?

The stage of having authority over actions

Now have the deep concern to become complete and karmateet. Just as it has become easy to perform the actions of seeing, listening and speaking, similarly, experience the stage of becoming karmateet, that is, use your power to pack up to, become one who is beyond any effect of action. One is the stage of being dependent on action and the other is the karmateet stage, that is, the stage of having authority over actions. So, check that the royal activity of you, the self-sovereign soul, the conqueror of your physical senses, is working under your orders.

Dec 16, 2025

लाइट और माइट हाउस की झाँकी बनो

हर ब्राह्मण बाप-सामन चैतन्य चित्र बनो, लाइट और माइट हाउस की झाँकी बनो। संकल्प शक्ति का, साइलेन्स का भाषण तैयार करो और कर्मातीत स्टेज पर वरदानी मूर्त का पार्ट बजाओ तब सम्पूर्णता समीप आयेगी। फिर सेकेण्ड से भी जल्दी जहाँ कर्तव्य कराना होगा वहाँ वायरलेस द्वारा डायरेक्शन दे सकेंगे। सेकेण्ड में कर्मातीत स्टेज के आधार से संकल्प किया और जहाँ चाहें वहाँ वह संकल्प पहुंच जाए।

Showpiece of a light-and-might house

Every Brahmin has to become a living image, the same as Father Brahma. Become a showpiece of a light-and-might house. Prepare a lecture on thought power and silence and play the part of being an image that grants blessings in your karmateet stage and you will then come close to perfection. Then, in less than a second, you will be able to give directions through the wireless wherever you have to carry out a task. On the basis of your karmateet stage, you will have a thought and it will reach wherever you want it to in a second.

Dec 17, 2025

श्रेष्ठ स्थिति

महारथियों का पुरुषार्थ अभी विशेष इसी अभ्यास का है। अभी-अभी कर्मयोगी, अभी-अभी कर्मातीत स्टेज । पुरानी दुनिया में पुराने अन्तिम शरीर में किसी भी प्रकार की व्याधि अपनी श्रेष्ठ स्थिति को हलचल में न लाये। स्व-चिन्तन, ज्ञान- चिन्तन, शुभचिन्तक बनने का चिन्तन ही चले तब कहेंगे कर्मातीत स्थिति।

Elevated stage

The effort of maharathis is especially to practise this: be a karma yogi one moment and then go into your karmateet stage the next. In the old world and in the final old body, do not let any illness bring any type of upheaval to your elevated stage. Let there only be thoughts of your original self, thoughts of this knowledge and pure and positive thoughts for others. Only then will you be said to have the karmateet stage.

Dec 18, 2025

कर्मातीत अवस्था में रहने की भी प्रैक्टिस

जैसे साकार में आने जाने की सहज प्रैक्टिस हो गई है, वैसे आत्मा को अपनी कर्मातीत अवस्था में रहने की भी प्रैक्टिस हो। अभी-अभी कर्मयोगी बन कर्म में आना, कर्म समाप्त हुआ फिर कर्मातीत अवस्था में रहना, इसका अनुभव सहज होता जाए। सदा लक्ष्य रहे कि कर्मातीत अवस्था में रहना है, निमित्त मात्र कर्म करने के लिए कर्मयोगी बने फिर कर्मातीत।

Practise being in your karmateet stage

Just as it has become easy to be in your corporeal form, in the same way, you souls have to practise being in your karmateet stage. One moment be a karma yogi and action and, as soon as you finish that action, be in your karmateet stage. This experience will then continue to become easy. Always have the aim to be in your karmateet stage. Become a karma yogi as an instrument to action and then become karmateet.

Dec 19, 2025

कर्म भी करो और याद में भी रहो

जैसे कर्म में आना स्वाभाविक हो गया है वैसे कर्मातीत होना भी स्वाभाविक हो जाए। कर्म भी करो और याद में भी रहो। जो सदा कर्मयोगी की स्टेज पर रहते हैं, वह सहज ही कर्मातीत हो सकते हैं। जब चाहे कर्म में आयें और जब चाहें न्यारे बन जायें, यह प्रैक्टिस कर्म के बीच-बीच में करते रहो।

Perform actions and also stay in remembrance

Just as it is natural to act, similarly, let it become natural to be karmateet. Perform actions and also stay in remembrance. Those who constantly stay in the karma yogi stage can easily become karmateet. Start to act when you want and then become detached when you want. Continue to practise this every now and then.

Dec 20, 2025

ब्लैसिंग देना

जैसे साकार में देखा लास्ट कर्मातीत स्टेज का पार्ट सिर्फ ब्लैसिंग देने का रहा, बेलेन्स की भी विशेषता और ब्लैसिंग की भी कमाल रही। ऐसे फालो फादर। सहज और शक्तिशाली सेवा यही है। अब विशेष आत्माओं का पार्ट है ब्लैसिंग देने का। चाहे नयनों से दो, चाहे मस्तकमणी द्वारा।

Give Blessings

You saw in the sakar form that the part of the last karmateet stage was that of just giving blessings. It was the speciality of keeping a balance and the wonder of giving blessings. Follow the father in the same way. This is easy and powerful service. The part of special souls is now to give blessings, whether you give them through the eyes or the jewel on the forehead.

Dec 21, 2025

मेरे-पन की भासना

जैसे बाप के लिए सबके मुख से एक ही आवाज निकलती है- "मेरा बाबा"। ऐसे आप हर श्रेष्ठ आत्मा के प्रति यह भावना हो, महसूसता हो। हरेक से मेरे-पन की भासना आये। हरेक समझे कि यह मेरे शुभचिन्तक सहयोगी सेवा के साथी हैं, इसको कहा जाता है- बाप सामान, कर्मातीत स्टेज के तख्तनशीन।

Feeling of belonging in each one

Just as there was just the one sound, “My Baba”, emerging from everyone’s lips for the Father, similarly, let there be this love and realisation for each of you elevated souls. Let there be the feeling of belonging in each one. Let everyone consider you to be someone who has pure and positive thoughts for them and is their co-operative companion. This is known as being equal to the father and seated on the heart throne, in the karmateet stage.

Dec 22, 2025

कर्मबन्धन से कर्मातीत
अब सेवा के कर्म के भी बन्धन में नहीं आओ। हमारा स्थान, हमारी सेवा, हमारे स्टूडेन्ट, हमारी सहयोगी आत्मायें, यह भी सेवा के कर्म का बन्धन है, इस कर्मबन्धन से कर्मातीत। तो कर्मातीत बनना है और "यह वही हैं, यही सब कुछ हैं," यह महसूसता दिलाए आत्माओं को समीप ठिकाने पर लाना है।

Be karmateet of karmic bondages

Do not now have any bondage of actions while doing service. “My place, my service, my students, my co-operative souls.” These too are karmic bondages of service. Be karmateet even of these karmic bondages. This is becoming karmateet. Give them the realisation that this is the same One, that this One is everything, and bring souls close to their destination.

Dec 23, 2025
कर्मेन्द्रिय जीत

अपनी हर कर्मेन्द्रिय की शक्ति को इशारा करो तो इशारे से ही जैसे चाहो वैसे चला सको। ऐसे कर्मेन्द्रिय जीत बनो तब फिर प्रकृतिजीत बन कर्मातीत स्थिति के आसनधारी सो विश्व राज्य अधिकारी बनेंगे। हर कर्मेन्द्रिय "जी हजूर" "जी हाज़िर" करती हुई चले। आप राज्य अधिकारियों का सदा स्वागत अर्थात् सलाम करती रहे तब कर्मातीत बन सकेंगे।

A conqueror of the physical organs

Signal your power to each of your physical organs and you will be able to make them move as you want with such signals. Become a conqueror of the physical organs in this way and you will then be able to become a conqueror of matter, be seated in the karmateet stage and so become a ruler of the kingdom of the world. Each of your physical organs should continue to function, saying, “Yes my lord”, “Present, my lord”. When your physical organs constantly welcome you royal rulers, that is, when they continue to salute you, you will then be able to become karmateet.

Dec 24, 2025

सहज और स्वतः
जब कर्मातीत स्थिति के समीप पहुंचेंगे तब किसी भी आत्मा तरफ बुद्धि का झुकाव, कर्म का बंधन नहीं बनायेगा। कर्मातीत अर्थात् सर्व कर्म बन्धनों से मुक्त, न्यारे बन, प्रकृति द्वारा निमित्त-मात्र कर्म कराना। कर्मातीत अवस्था का अनुभव करने के लिए न्यारे बनने का पुरुषार्थ बार-बार नहीं करना पड़े, सहज और स्वतः ही अनुभव हो कि कराने वाला और करने वाली यह कर्मेन्द्रियाँ हैं ही अलग।

Easy and natural

When you come close to your karmateet stage, neither will your intellect be subservient to any soul nor will you create any karmic bondages. This means that you will be free from all karmic

bondages, be detached and as an instrument you will enable actions to be performed through matter. In order to experience the karmateet stage, you do not repeatedly have to make effort to be detached. It will be an easy and natural experience. The physical organs that are doing everything are separate from the soul who is making it happen.

Dec 25, 2025

विजयी रत्न बनो
अन्तःवाहक स्थिति अर्थात् कर्मबन्धन मुक्त कर्मातीत स्थिति का वाहन अर्थात् अन्तिम वाहन, जिस द्वारा ही सेकण्ड में साथ में उड़ेंगे। इसके लिए सर्व हदों से पार बेहद स्वरूप में, बेहद के सेवाधारी, सर्व हदों के ऊपर विजय प्राप्त करने वाले विजयी रत्न बनो तब ही अन्तिम कर्मातीत स्वरूप के अनुभवी स्वरूप बनेंगे।

Become a victorious jewel

The vehicle of the inner stage, the stage that is free from any bondage of karma, and the karmateet stage, that is, the final stage: in this stage, you will be able to fly together in a second. For this, become a victorious jewel who is beyond all limitations, stable in your unlimited form and on unlimited service, who has attained victory over all limitations. Only then will you become an embodiment of experience of the karmateet form.

Dec 26, 2025

बाप समान सम्पूर्ण स्थिति

आवाज से परे अपनी श्रेष्ठ स्थिति में स्थित हो जाओ तो सर्व व्यक्त आकर्षण से परे शक्तिशाली न्यारी और प्यारी स्थिति बन जायेगी। एक सेकण्ड भी इस श्रेष्ठ स्थिति में स्थित होंगे तो इसका प्रभाव सारा दिन कर्म करते हुए भी स्वयं में विशेष शान्ति की शक्ति अनुभव करेंगे, इसी स्थिति को कर्मातीत स्थिति, बाप समान सम्पूर्ण स्थिति कहा जाता है।

The stage of perfection, the same as the father’s

Now have the deep concern to become complete and karmateet. Become stable beyond sound, in your elevated stage, and you will make your stage be beyond all gross attractions, powerful, loving and detached. If you remain stable in this elevated stage for even a second, the effect of it will be that, while acting throughout the day, you will especially experience the power of silence in yourself. This stage is known as the karmateet stage, the stage of perfection, that is the same as the father’s.

Dec 27, 2025
समेटने और समाने की शक्ति

कर्मातीत स्थिति को पाने के लिए विशेष स्वयं में समेटने और समाने की शक्ति धारण करना आवश्यक है। कर्मबन्धनी आत्माएं जहाँ हैं वहाँ ही कार्य कर सकती हैं और कर्मातीत आत्मायें एक ही समय पर चारों ओर अपना सेवा का पार्ट बजा सकती हैं क्योंकि कर्मातीत हैं। उनकी स्पीड बहुत तीव्र होती है, सेकण्ड में जहाँ चाहे वहाँ पहुँच सकती हैं, तो इस अनुभूति को बढ़ाओ।

Power to pack up and the power to accommodate

In order to attain the karmateet stage, it is especially essential to imbibe the power to pack up and the power to accommodate. A soul who is in some bondage of karma will only be able to perform an action where he is, whereas a karmateet soul will be able to play his part everywhere, while being anywhere because he is karmateet. The speed of such a soul is so fast that he can reach wherever he wants in a second. So, increase this experience.

Dec 28, 2025

एक सेकण्ड में फुलस्टॉप

जब मन-बुद्धि कर्म में बहुत बिज़ी हो, उस समय डायरेक्शन दो फुलस्टॉप। कर्म के भी संकल्प स्टॉप हो जाएं। यह प्रैक्टिस एक सेकण्ड के लिये भी करो लेकिन अभ्यास करते जाओ, क्योंकि अन्तिम सर्टीफिकेट एक सेकण्ड के फुलस्टॉप लगाने पर ही मिलना है। सेकण्ड में विस्तार को समा लो, सार स्वरूप बन जाओ, यही अभ्यास कर्मातीत बनायेगा।

Full stop in a second

At the time when your mind and intellect are very busy with action, give them the direction to put a stop. All thoughts of acting also have to stop. Practise this for even a second and continue to do this every now and then because you will receive the final certificate on putting a full stop in a second. In one second, merge any expansion into its essence and become an embodiment of that essence. This practice will make you karmateet.

Dec 29, 2025

सम्पूर्ण स्टेज को सेट कर दो

जैसे कोई मशीनरी को सेट किया जाता है तो एक बार सेट करने से फिर आटोमेटीकली चलती रहती है। इस रीति से अपनी सम्पूर्ण स्टेज वा बाप के समान स्टेज वा कर्मातीत स्थिति की स्टेज के सेट को ऐसा सेट कर दो जो फिर संकल्प, शब्द वा कर्म उसी सेटिंग के प्रमाण आटोमेटिक चलते रहें।

Set the stage of your complete and perfect stage

Once a machine is set, it continues to work automatically. In the same way, set the stage of your complete and perfect stage, the stage equal to the Father's, that is, of the karmateet stage in such a way that your thoughts, words and deeds automatically continue according to that setting.

Dec 30, 2025

त्रिकालदर्शी

कर्मो की गुह्य गति को जानकर अर्थात् त्रिकालदर्शी बनकर हर कर्म करो तब ही कर्मातीत बन सकेंगे। यदि छोटी-

छोटी गलतियां संकल्प रूप में भी हो जाती हैं तो उसका भी हिसाब-किताब बहुत कड़ा बनता है इसलिए छोटी गलती भी बड़ी समझनी है क्योंकि अभी सम्पूर्ण स्थिति के समीप आ रहे हो।

Trikaldarshi

Know the deep philosophy of karma, that is, be trikaldarshi before you perform any action for only then will you be able to become karmateet. If you make even trivial mistakes in your thoughts, then, those too create a very severe karmic account. This is why you have to consider even a small mistake to be a big mistake because you are now coming close to your perfect stage.

Dec 31, 2025

स्वतन्त्र
कर्मातीत अर्थात् कर्म के अधीन नहीं, कर्मों के परतन्त्र नहीं। स्वतन्त्र हो कर्मेन्द्रियों द्वारा कर्म कराओ। जो गायन है कि करते हुए अकर्ता, सम्पर्क-सम्बन्ध में रहते हुए कर्मातीत, क्या ऐसी स्टेज रहती है? कोई भी लगाव न हो और सर्विस भी लगाव से न हो लेकिन निमित्त भाव से हो; इससे सहज ही कर्मातीत बन जायेंगे।

Be liberated

To be karmateet means not to be attached to your actions, not to be subservient to your actions. Be liberated and make your physical organs act. There is the praise of being someone who is free from doing anything while doing everything, being karmateet while being in a relationship or connection. Do you have such a stage? Let there not be any attachment and do not do any service out of attachment, but just do it as an instrument. By acting in this way, you will easily become karmateet.